नगालैंड में ODOP संपर्क कार्यक्रम

प्रलिम्सि के लिये:

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग, एक ज़िला एक उत्पाद (ODOP), पीएम गतिशक्ति, कृषि उड़ान योजना, विश्व आर्थिक मंच, भारतमाला, सागरमाला, अंतर्देशीय जलमार्ग

मैन्स के लिये:

ODOP पहल और पीएम गतिशक्ति की विशेषताएँ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (DPIIT) तथा **इन्वेस्ट इंडिया ने उद्योग एवं वाणिज्य विभाग**, नगालैंड के सहयोग से नगालैंड में ODOP संपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया।

- इस आयोजन का **उद्देश्य** एक ज़िला एक उत्पाद (ODOP) और PM गतिशक्ति (लॉजिस्टिक्स) **पहल** के बारे में जागरूकता पैदा करना था।

आयोजन के प्रमुख बिंदु:

- **बाज़ार पहुँच बढ़ाना:** आयोजन का एक प्राथमिक उद्देश्य यूरोपीय संघ (EU), **स्विट्ज़रलैंड** जैसे अन्य **विदेशी बाज़ारों में भारतीय उत्पादों विशेष रूप से नगालैंड की बाज़ार तक पहुँच** में सुधार करना था।
  - **बुनियादी ढाँचे का विकास:** नगालैंड के **ODOP उत्पादों का समर्थन** करने के लिये **रसद सुविधाओं में सुधार के विभिन्न उपायों** पर प्रकाश डाला गया जैसे:
    - बेहतर परिवहन के लिये कृषि उड़ान योजना का लाभ उठाना।
    - रेलवे कनेक्टिविटी का विस्तार।
  - केंद्रीय बजट 2023-24 ने **देश भर में यूनिटी मॉल के निर्माण हेतु 5000 करोड़ रुपए आवंटित किये हैं,** जो ODOP उत्पादों के लिये केंद्रीकृत बाज़ार के रूप में कार्य करेंगे।
- **ODOP प्रदर्शनी:** इस कार्यक्रम में **मिर्च, मछली, कॉफी और हल्दी** सहित नगालैंड के विभिन्न ODOP उत्पादों का प्रदर्शन किया गया।

एक ज़िला एक उत्पाद पहल:

- **परिचय:**
  - **ODOP देश के प्रत्येक ज़िले से एक उत्पाद को बढ़ावा देने और ब्रांडिंग करके ज़िला स्तर पर आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की एक पहल है।**
    - **इसका उद्देश्य प्रत्येक ज़िले की स्थानीय क्षमता, संसाधनों, कौशल और संस्कृति का लाभ उठाना** तथा घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में उनकी एक विशिष्ट पहचान बनाना है।
  - **देश के सभी 761 ज़िलों से 1000 से अधिक उत्पादों का चयन किया गया है। इस पहल में कपड़ा, कृषि, प्रसंस्कृत सामान, फार्मास्यूटिकल्स और औद्योगिक वस्तुओं** समेत कई क्षेत्रों को शामिल किया गया है।
  - इसके अतिरिक्त जनवरी 2023 में **स्विट्ज़रलैंड के दावोस में भारतीय पक्ष** की ओर से विश्व आर्थिक मंच पर कई ODOP उत्पादों को प्रदर्शित किया गया था।
- **पृष्ठभूमि:**
  - **ODOP की अवधारणा को सर्वप्रथम उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जनवरी 2018 में विकसित की गई थी।**
    - यह योजना राज्य के पारंपरिक उद्योगों और शिल्प, जैसे- **चिकनकारी कढ़ाई, पीतल के बरतन, मिट्टी के बरतन, कालीन, चमड़े की वस्तुएँ** आदि को पुनर्जीवित करने में सफल रही।
    - इससे प्रेरित होकर **केंद्र सरकार ने इस अवधारणा को अपनाया और इसे एक राष्ट्रीय पहल के रूप में लॉन्च किया।**

- **कार्यान्वयन:**
    - [खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (MoFPI)] खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिये योजना लागू करता है।
    - वस्त्र मंत्रालय ने ODOP योजना के तहत उत्पादों को प्रदर्शित करने और विक्रय करने के लिये सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज़ कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (CCIC) के अंतर्गत **राष्ट्रीय शिल्प संग्रहालय**, **नई दिल्ली में 'लोटा शॉप'** का उद्घाटन किया।
    - **विदेश व्यापार महानिदेशालय** ने निर्यात को बढ़ावा देने के लिये ज़िलों को निर्यात हब पहल के रूप में ONOP के साथ संरेखित किया है।
- **एक ज़िला एक उत्पाद पुरस्कार:**
    - आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और [आत्मनिर्भर भारत] के दृष्टिकोण को साकार करने में विभिन्न हितधारकों के प्रयासों की पहचान करते हुए DPIIT ने **एक ज़िला एक उत्पाद पुरस्कार** की स्थापना की है।
        - यह पुरस्कार राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों, ज़िलों और विदेश में भारतीय मिशनों द्वारा किये गए उत्कृष्ट कार्यों के लिये प्रदान किया जाएगा।
    - ये पुरस्कार **राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल** पर लॉन्च किये जाएंगे।

पीएम गतिशक्ति:

- **परिचय**:
    - **पीएम गतिशक्ति मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिये एक राष्ट्रीय मास्टर प्लान** है, जो बुनियादी ढाँचा कनेक्टिविटी परियोजनाओं की एकीकृत योजना और समन्वित कार्यान्वयन के लिये **रेलवे, नागरिक उड्डयन, MIETY, शिपिंग तथा सड़क परिवहन सहित 16 मंत्रालयों** को एक मंच प्रदान करने के लिये एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है।
- **अभिलक्षण:**
    - इस योजना में विभिन्न मंत्रालयों और राज्य सरकारों की बुनियादी ढाँचा योजनाएँ जैसे-[भारतमाला], [सागरमाला], **अंतर्देशीय जलमार्ग, उड़ान (UDAAN)** आदि शामिल हैं। यह **वस्त्र उद्योग, फार्मास्यूटिकल क्षेत्र, रक्षा गलियारे, इलेक्ट्रॉनिक पार्क, औद्योगिक गलियारे, मत्स्य पालन क्षेत्र जैसे आर्थिक क्षेत्रों** को कवर करता है। यह योजना कनेक्टिविटी में सुधार करने के साथ ही भारतीय व्यवसाय को और अधिक प्रतिस्पर्द्धी बनाने में मदद करती है।
- यह योजना **BiSAG-N (भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग और भू-सूचना विज्ञान संस्थान)** द्वारा विकसित **ISRO इमेजरी के साथ स्थानिक योजना उपकरणों सहित व्यापक स्तर पर प्रौद्योगिकी का लाभ** उठाती है तथा वर्तमान परियोजनाओं की निगरानी को पारदर्शी बनाती है।

[स्रोत: पी.आई.बी.]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/odop-sampark-event-in-nagaland